[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 213 **L**

Unique Paper Code : 2274000015

Name of the Paper : Sectoral Issues in Indian Economy

Name of the Course : **Common Pool GE Economics**

Semester : IV / VI / VIII

Duration : 3 Hours | Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. The question paper consists of **eight** questions. Answer any **five** questions.
4. **All** questions carry equal marks, **18** marks each.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. प्रश्न-पत्र में **आठ** प्रश्न दिए गए हैं। किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं, प्रत्येक 18 अंक।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. Review the government initiatives undertaken in recent decades to enhance growth in agriculture. Also discuss whether these measures combined with the push for a Second Green Revolution in high-value crops, offer a viable path to inclusive agricultural growth? (18)

2. How has the interaction between the state, the farm lobby, and welfare objectives shaped the persistence of a calorie-based approach to food security? (18)

3. Examine the ongoing debate regarding whether the Public Distribution System (PDS) should transition from in-kind food transfers to cash-based transfers. What are the potential benefits and risks of such a move for household-level food and nutrition security? (18)

4. The goal of 'Doubling Farmers' Income' (DFI) requires a shift from a production-centric approach to a value-chain-based approach. Discuss this statement in the context of Indian agriculture. (18)

5. Discuss the role of Grameen Agricultural Markets (GrAMs), 'deemed markets,' and the integration of Digital Public Infrastructure (DPI) in empowering small and marginal farmers with reference to the 2024 National Policy Framework on Agricultural Marketing. (18)

6. In the context of 'Make in India', discuss the structural reforms and macroeconomic frameworks essential to improve the efficiency of production in India. (18)

7. While MSMEs are the backbone of Indian manufacturing and exports, they continue to face systemic bottlenecks that hinder their global competitiveness. Evaluate this statement by examining the current contribution of MSMEs to the Indian economy. (18)

8. Write comprehensive notes on **any two** of the following : (2×9=18)

(a) Production Linked Incentives

(b) Role of diversification and ICT in agricultural growth

(c) Hidden Hunger

1. कृषि में वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए हाल के दशकों में सरकार द्वारा की गई पहलों की समीक्षा कीजिए। साथ ही, चर्चा कीजिए कि क्या ये उपाय, उच्च मूल्य वाली फसलों में दूसरी हरित क्रांति के प्रयासों के साथ मिलकर, समावेशी कृषि विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करते हैं? (18)

2. राज्य, किसान समूह और कल्याणकारी उद्देश्यों के बीच परस्पर क्रिया ने खाद्य सुरक्षा के लिए कैलोरी-आधारित दृष्टिकोण की निरंतरता को किस प्रकार प्रभावित किया है? (18)

3. इस चल रही बहस का विश्लेषण कीजिए कि क्या सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को वस्तु-आधारित खाद्य हस्तांतरण से नकद-आधारित हस्तांतरण में परिवर्तित किया जाना चाहिए। घरेलू स्तर पर खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए इस तरह के कदम के संभावित लाभ और जोखिम क्या हैं? (18)

4. 'किसानों की आय दोगुनी करने' (डीएफआई) के लक्ष्य के लिए उत्पादन-केंद्रित दृष्टिकोण से मूल्य-श्रृंखला-आधारित दृष्टिकोण की ओर बदलाव की आवश्यकता है। भारतीय कृषि के संदर्भ में इस कथन की चर्चा कीजिए। (18)

5. कृषि विपणन पर 2024 की राष्ट्रीय नीति रूपरेखा के संदर्भ में लघु एवं सीमांत किसानों को सशक्त बनाने में ग्रामीण कृषि बाजारों (ग्राम्स), 'मानित बाजारों' और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के एकीकरण की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (18)

6. 'मेक इन इंडिया' के संदर्भ में, भारत में उत्पादन दक्षता में सुधार के लिए आवश्यक संरचनात्मक सुधारों और व्यापक आर्थिक ढाँचों पर चर्चा कीजिए। (18)

7. यद्यपि लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भारतीय विनिर्माण और निर्यात की रीढ़ हैं, फिर भी वे प्रणालीगत बाधाओं का सामना करते हैं जो उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में रुकावट डालती हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था में एमएसएमई के वर्तमान योगदान की जाँच करके इस कथन का मूल्यांकन कीजिए। (18)

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए : (2×9=18)

(क) उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन

(ख) कृषि विकास में विविधीकरण और आईसीटी की भूमिका

(ग) छिपी हुई भूख